|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | ΤΜΗΜΑ Β1 | | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | | |  | |  | | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού | |  | | | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού | |  | | | |  | |  | | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου | |  | | | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού | |  | | | |  | |  | | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία | |  | | | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής | |  | | | |  | |  | | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία | |  | | | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας | |  | | | | 2.2 Η έκφραση της πίστης | |  | | | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες | |  | | | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα | |  | | | |  | |  | | | |  | |  | | | |  | | | |  | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | ΤΜΗΜΑ Β2 | | |  | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | |  | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | |  | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | |  | |  |  | |  | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |  | |  | |  |  | |  | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |  | |  | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |  | |  | |  |  | |  | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |  | |  | |  |  | |  | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |  | |  | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |  | |  | |  |  | |  | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |  | |  | |  |  | |  | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |  | |  | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |  | |  | |  |  | |  | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |  | |  | |  |  | |  | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |  | |  | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |  | |  | | 2.2 Η έκφραση της πίστης |  | |  | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |  | |  | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |  | |  | |  |  | |  | |  |  | |  | | ΤΜΗΜΑ Β3 | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | |  | |  | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού | |  | | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου | |  | | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία | |  | | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής | |  | | |  | |  | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία | |  | | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας | |  | | | 2.2 Η έκφραση της πίστης | |  | | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες | |  | | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα | |  | | |  | |  | | |  | |  | | | ΤΜΗΜΑ Β4 | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | |  | |  | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού | |  | | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου | |  | | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία | |  | | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής | |  | | |  | |  | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία | |  | | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας | |  | | | 2.2 Η έκφραση της πίστης | |  | | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες | |  | | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα | |  | | |  | |  | | |  | |  | | | ΤΜΗΜΑ Β5 | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | |  | |  | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού | |  | | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου | |  | | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία | |  | | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής | |  | | |  | |  | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία | |  | | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας | |  | | | 2.2 Η έκφραση της πίστης | |  | | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες | |  | | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα | |  | | |  | |  | | |  | |  | | | ΤΜΗΜΑ Β6 | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | |  | |  | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού | |  | | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου | |  | | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία | |  | | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής | |  | | |  | |  | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία | |  | | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας | |  | | | 2.2 Η έκφραση της πίστης | |  | | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες | |  | | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα | |  | | |  | |  | | |  | |  | | | ΤΜΗΜΑ Β7 | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | |  | |  | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού | |  | | | 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου | |  | | | 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού | |  | | |  | |  | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία | |  | | | 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής | |  | | |  | |  | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | |  | |  | | | 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία | |  | | | 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας | |  | | | 2.2 Η έκφραση της πίστης | |  | | | 2.3 Πανανθρώπινες αξίες | |  | | | 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα | |  | | |  | |  | | |  | |  | | |  |  |  |  |   ΤΜΗΜΑ Γ1 | | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | | |  | |  | | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.1 Επιστήμη και θρησκεία | |  | | | | 1.2 Ηθική της τεχνολογίας | |  | | | |  | |  | | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.3 Εφαρμογές της Γενετικής | |  | | | | 1.4 Οικο-θεολογία | |  | | | |  | |  | | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 2.1 Πλούτος και φτώχεια | |  | | | | 2.2 Ηθική της εργασίας | |  | | | |  | |  | | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 2.3 Η μοναξιά του ανθρώπου | |  | | | | 2.4 Η επανάσταση του χριστιανισμού | |  | | | |  | | | | | | ΤΜΗΜΑ Γ2 | | | | | | ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ | | | | | | ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ | | | | | | **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** | | | |  | |  | | | | ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | |  | | | | 1.1 Επιστήμη και θρησκεία | |  | | | | 1.2 Ηθική της τεχνολογίας | |  | | | |  | |  | | | | ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** | |  | | | |  | | |  | | | 1.3 Εφαρμογές της Γενετικής | | |  | | | 1.4 Οικο-θεολογία | | |  | | |  | | |  | | | ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |  | | | | |  |  | | | | | 2.1 Πλούτος και φτώχεια |  | | | | | 2.2 Ηθική της εργασίας |  | | | | |  |  | | | | | ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |  | | | | |  |  | | | | | 2.3 Η μοναξιά του ανθρώπου |  | | | | | 2.4 Η επανάσταση του χριστιανισμού | |  | | | |  |  |  |  |  | | |